बीडीएल ने भारतीय थलसेना को आकाश मिसाइल सौंपा

हैदराबाद स्थित सार्वजनिक उपक्रम भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने भारतीय थलसेना को आकाश अस्त्र प्रणाली (ए डब्ल्यू एस) सौंपा. बीडीएल के सी एम डी श्री वी उदय भास्कर ने आकाश अस्त्र प्रणाली का नमूना थलसेना अध्यक्ष, जनरल दलबीर सिंह को सौंपा. तदुपरांत जनरल दलबीर सिंह ने इसे थलसेना में शामिल करने लेफ्टनेंट जनरल वी के सक्सेना, महानिदेशक, थलसेना वायुरक्षा को सौंपा.

बी डी एल इस अस्त्र-प्रणाली का प्रमुख एकीकर्ता है. इस 'आकाश' के उत्पादन से बी डी एल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का उत्पादन करने वाले चुनिंदा देशोंमें शुमार हुआ

यह आकाश अस्त्र-प्रणाली डी आर डी ओ द्वारा विकसित की जा रही है जबकि इसका विनिर्माण भारत में ही तैयार 96% सामग्री से बी डी एल द्वारा किया जा रहा है.

दो रेजिमेंट की आकाश अस्त्र-प्रणाली के लिए बी डी एल को भारतीय थलसेना से रु.14.170 करोड़ के कार्य-आदेश प्राप्त हैं.

आकाश मिसाइल जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल है जिसकी वायुजोखिम क्षमता 25 कि.मी है जबकि इसकी आल्टिट्यूड 18 कि.मी. है.

पूर्णतः देशी तौर पर तैयार और सर्वतोमुखी आकाश सैम वर्ष 2030 तथा उससे आगे भी राष्ट्र की वायु रक्षा के लिए मुख्य सहारा है.

बीडीएल के सी एम डी ने अपने संबोधन में कहा कि आकाश का यह थल-सेना प्रकार उच्च गतिशीलता के लिए तैयार किया गया है और किसी भी प्रकार के हवाई खतरे की अोर तुरंत अगतिमान हो सकता है.